

Mharo Pranam

Bhajan by Mirabai

Raaga: Yaman Kalyan

Mharo Pranaam Baanke Bihari ji Moar mukut mathya, tilak birajya, kundal alkakaari ji Adhar madhur dhar bansi bajaawa, reejh rijhawa brij naari ji Ya chhab dekhyā mohya meera, mohan girivar dhaari ji	म्हारो प्रणाम बांके बिहारी जी मोर मुकुट माथ्या तिलक बिराज्या कुंडल अलकाधारी जी अधर मधुर धर बंसी बजावा रीझ रिझावा बृज नारी जी या छब देख्या मोह्या मीरा मोहन गिरिवर धारी जी म्हारो प्रणाम
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------